कार्यालय आयुक्त,
गन्ना एवं चीनी, उत्तर प्रदेश

17, न्यू बेरी रोड़, डालीबाग, लखनऊ

दूरभाषः **0522–2204295, 2205310**, फैक्सः **0522–2204163**

टोल फ्री नम्बर **1800–121–3203**

Website: https://www.upcane.gov.in/E-mail: upcdrs@gmail.com

Facebook: https:/www.facebook.com/upcane

Twitter: https://www.twitter.com/canewebsite

Youtube: https://www.youtube.com/channel/ucewkr8bagsaawmex09fjong

प्रेस–नोट

- **गन्ना किसानों के हित में, पेराई सत्र 2018–19 का शीघ्र शुभारम्भ कराने हेतु सरकार ने दिये निर्देश।**
- **गन्ना आयुक्त ने पश्चिमी, मध्य व पूर्वी क्षेत्र की चीनी मिलों के संचालन हेतु तिथियां निर्धारित की।**
- **पश्चिमी क्षेत्र की चीनी मिलें 15 अक्टूबर से 5 नवम्बर के बीच, मध्य क्षेत्र की चीनी मिलें 25 अक्टूबर से 10 नवम्बर के बीच व पूर्वी क्षेत्र की चीनी मिलें 10 नवम्बर से 25 नवम्बर के बीच गन्ने की पेराई प्रारंभ करेंगी।**
- **चीनी मिलों द्वारा शीघ्र पेराई प्रारंभ करने से, गन्ने की आपूर्ति के बाद खाली खेत में रबी की फसलों की बुवाई कर किसान अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकेंगे।**
- **शीघ्र गन्ना आपूर्ति होने से, गन्ना मूल्य भी शीघ्र प्राप्त होगा, जिससे किसान को रबी की फसलों की बुवाई करने में सहूलियत होगी।**

लखनऊ : 30 जुलाई,2018

किसान हित के प्रति अत्यंत सजग प्रदेश सरकार के मुखिया मा. मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ ने आगामी पेराई सत्र 2018–19 में चीनी मिलों से शीघ्र पेराई प्रारंभ करने की अपेक्षा की है। इसी तारतम्य में मा. गन्ना मंत्री श्री सुरेश राणा द्वारा दिये गये निर्देश पर, सभी पहलुओं पर विचार करते हुए प्रदेश के गन्ना एवं चीनी आयुक्त ने चीनी मिलों के संचालन हेतु तिथियां निर्धारित कर दी हैं। पश्चिमी क्षेत्र की चीनी मिलें 15 अक्टूबर से 5 नवम्बर के बीच,

Scanned by CamScanner

मध्य क्षेत्र की चीनी मिलें 25 अक्टूबर से 10 नवम्बर के बीच तथा पूर्वी क्षेत्र की चीनी मिलें 10 नवम्बर से 25 नवम्बर के बीच गन्ने की पेराई प्रारंभ करें, यह निर्देशित किया गया है। ये तिथियां गन्ने की परिपक्वता, उपलब्धता व विगत वर्षों में चीनी मिलों के संचालन आदि स्थितियों के आधार पर निर्धारित की गयी हैं।

इस वर्ष प्रदेश के गन्ना क्षेत्रफल में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अतः गन्ने की पेराई समय से सम्पन्न कराने हेतु चीनी मिलों का शीघ्र संचालन आवश्यक है। चीनी मिलों द्वारा पेराई शीघ्र शुरू करने से किसान अपने पेड़ी गन्ने की आपूर्ति कर खाली खेत में रबी की फसलों की बुवाई कर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकेगा, साथ ही उसे समय से गन्ना मूल्य प्राप्त होने से रबी की बुवाई के लिए आवश्यक धन भी प्राप्त हो सकेगा।

इस कम में मिलों की आफ सीजन मरम्मत सुचारू रूप से एवं समय से पूर्ण हो जाए, के निरीक्षण के लिए सभी उप गन्ना आयुक्तों एव जिला गन्ना अधिकारियों को मिलों के समय–समय पर निरीक्षण करने हेतु निर्देशित भी किया गया है।

प्रदेश में गन्ना क्षेत्रफल में वृद्धि होने से इस वर्ष पेराई सत्र की अवधि बढ़ने की पूरी संभावना है। गत वर्ष कतिपय चीनी मिलों द्वारा जून माह के मध्य तक गन्ने की पेराई की गई थी। ऐसी स्थिति में चीनी मिलों के शीघ्र चलाये जाने के सरकार के इस निर्णय से किसानों में हर्ष व्याप्त है।

Scanned by CamScanner